भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **+1891**

मंगलवार, **09** जुलाई, 2019/18 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

रामायण सर्किट में भगवान राम से संबंधित स्थलों को शामिल किया जाना

+1891. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित रामायण सर्किट में भगवान राम से संबंधित स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस सर्किट के विकास तथा इसमें शामिल धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों के लिए आधारभूत ढांचे को विकसित करने हेतु सरकार की क्या योजना है; और

(ग) इस प्रयोजनार्थ अभी तक कितनी धनराशि उपलब्ध करायी गयी है तथा पूरे हुए कार्यों का ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय ने प्रारंभ में स्वदेश दर्शन योजना की रामायण परिपथ थीम के अंतर्गत विकास हेतु पंद्रह गंतव्यों नामतः अयोध्या, नंदीग्राम, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट (उत्तर प्रदेश), सीतामढ़ी, बक्सर और दरबंगा (बिहार), चित्रकूट (मध्य प्रदेश), महेंद्रगिरी (ओडिशा), जगदलपुर (छत्तीसगढ़), नासिक और नागपुर (महाराष्ट्र), भद्राचलम (तेलंगाना), हम्पी (कर्नाटक) और रामेश्वरम (तमिलनाडु) की पहचान की है ।

मंत्रालय ने राज्य सरकारों से रामायण परिपथ के अंतर्गत विकास के लिए परियोजना प्रस्तावों को तैयार करने के लिए अनुरोध किया है । ये परियोजनाएं संगत योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, उचित विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को प्रस्तुत करने, निधियों की उपलब्धता और पहले से जारी निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं ।

उपरोक्त के आधार पर, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना की रामायण परिपथ थीम के अंतर्गत निम्नलिखित परियोजनाएं स्वीकृत की हैं :

(राशि करोड़ रूपए में)

क्र.सं.	राज्य का नाम एवं वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	उत्तर प्रदेश **(2016-17)**	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	**69.45**	**52.17**
2.	उत्तर प्रदेश **(2017-18)**	अयोध्या का विकास	**133.31**	**66.65**

इन दोनों परियोजनाओं का कार्य चल रहा है ।

******